Class XI Session 2025-26
Subject - Hindi Core
Sample Question Paper - 5

निर्धारित समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए :-

- यह प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभाजित है।
- खंड - क में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- खंड - ख में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- खंड - ग में पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड क (अपठित बोध)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (10)** **[10]**

हँसी शरीर के स्वास्थ्य का शुभ संवाद देने वाली है। वह एक साथ ही शरीर और मन को प्रसन्न करती है। पाचन-शक्ति बढ़ाती है, रक्त को चलाती और अधिक पसीना लाती है। हँसी एक शक्तिशाली दवा है। एक डॉक्टर कहता है कि वह जीवन की मीठी मदिरा है। डॉ. हयूड कहता है कि आनंद से बढ़कर बहुमूल्य वस्तु मनुष्य के पास और नहीं है। कारलाइल एक राजकुमार था। संसार त्यागी हो गया था। वह कहता है कि जो जी से हँसता है, वह कभी बुरा नहीं होता। जी से हँसी, तुम्हें अच्छा लगेगा। अपने मित्र को हँसाओ, वह अधिक प्रसन्न होगा। शत्रु को हँसाओ, तुमसे कम घृणा करेगा। एक अनजान को हँसाओ, तुम पर भरोसा करेगा। उदास को हँसाओ, उसका दुख घटेगा। निराश को हँसाओ, उसकी आशा बढ़ेगी।

एक बूढ़े को हँसाओ, वह अपने को जवान समझने लगेगा। एक बालक को हँसाओ, उसके स्वास्थ्य में वृद्ध होगी। वह प्रसन्न और प्यारा बालक बनेगा, पर हमारे जीवन का उद्देश्य केवल हँसी ही नहीं है, हमको बहुत काम करने हैं। तथापि उन कामों में, कष्टों में और चिंताओं में एक सुंदर आंतरिक हँसी, बड़ी प्यारी वस्तु भगवान ने दी है।

हँसी सबको भली लगती है। मित्र-मंडली में हँसी विशेषकर प्रिय लगती है। जो मनुष्य हँसते नहीं उनसे ईश्वर बचावे। जहाँ तक बने हँसी से आनंद प्राप्त करो। प्रसन्न लोग कोई बुरी बात नहीं करते। हँसी बैर और बदनामी की शत्रु है और भलाई की सखी है। हँसी स्वभाव को अच्छा करती है। जी बहलाती है और बुद्ध को निर्मल करती है।

(i) हँसी किस शक्ति को बढ़ाती है? (1)

क) मानसिक शक्ति

ख) पाचन शक्ति

ग) श्रवण शक्ति

घ) दृष्टि शक्ति

(ii) डॉ. हयूड के अनुसार, मनुष्य के पास सबसे बहुमूल्य वस्तु कौनसी है? (1)

क) धन

ख) स्वास्थ्य

ग) आनंद

घ) ज्ञान

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(iii) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए - (1)

कथन (I): हँसी शरीर और मन को प्रसन्न करती है।

कथन (II): हँसी मनुष्य के स्वभाव को बिगाड़ती है।

कथन (III): मित्रों में हँसी विशेष प्रिय मानी जाती है।

कथन (IV): हँसी बैर और बदनामी को बढ़ावा देती है।

गद्यांश के अनुसार कौन-सा/से कथन सही हैं?

क) केवल कथन (I) और (III) सही हैं।

ख) केवल कथन (II), (III) और (IV) सही हैं।

ग) केवल कथन (I), (III) और (IV) सही हैं।

घ) केवल कथन (I) और (IV) सही हैं।

(iv) हँसी किस प्रकार की दवा है? (1)

(v) हँसी का शत्रु और मित्र कौन है? (2)

(vi) हँसी से मित्रों, शत्रुओं, अनजान लोगों, उदास और निराश व्यक्तियों पर क्या प्रभाव पड़ता है? (2)

(vii) हँसी को भगवान ने किस रूप में दी है और इसका क्या महत्त्व है? (2)

2. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (8)** **[8]**

जो नहीं हो सके पूर्ण-काम मैं उनको करता हूँ प्रणाम !
कुछ कुंठित औ कुछ लक्ष्य-भ्रष्ट
जिनके अभिमंत्रित तीर हुए
रण की समाप्ति के पहले ही
जो वीर रिक्त-तूणीर हुए
-उनको प्रणाम !
जो छोटी-सी नैया लेकर
उतरे करने को उदधि-पार
मन की मन में ही रही, स्वयं
हो गए उसी में निराकार
-उनको प्रणाम !
जो उच्च शिखर की ओर बढ़े
रह-रह नव-नव उत्साह भरे
पर कुछ ने ले ली हिम-समाधि
कुछ असफल ही नीचे उतरे
-उनको प्रणाम !
कृत-कृत्य नहीं जो हो पाए
प्रत्युत फांसी पर गए झूल
कुछ ही दिन बीते हैं, फिर भी
यह दुनिया जिनको गई भूल
-उनको प्रणाम!

i. **काव्यांश में कवि ने किसे प्रणाम किया है? उचित विकल्प का चयन कीजिए: (1)**

I. वे जो अपने लक्ष्य में असफल रहे।

II. वे जो हिम-समाधि ले चुके हैं।

III. वे जिन्होंने अपने छोटे प्रयासों में सफलता पाई।

IV. वे जिन्हें दुनिया ने भुला दिया है।

विकल्प:

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

क) केवल I और II सही हैं।

ख) केवल I, II और IV सही हैं।

ग) केवल III और IV सही हैं।

घ) सभी कथन सही हैं।

ii. **निम्नलिखित में से किसको 'प्रणाम' नहीं किया गया है? (1)**

क) वे जो स्वयं में निराकार हो गए

ख) वे जिन्होंने हिम-समाधि ले ली

ग) वे जिन्होंने नायकत्व प्राप्त किया

घ) वे जिनका योगदान भुला दिया गया

iii. **काव्यांश में निम्नलिखित पंक्तियों को उनके अर्थ से सुमेलित कीजिए: (1)**

कॉलम 1	**कॉलम 2**
I. "जो छोटी-सी नैया लेकर उतरे करने को उदधि-पार"	1. छोटे प्रयास करने वाले।
II. "जो उच्च शिखर की ओर बढ़े"	2. हिम-समाधि लेने वाले।
III. "जो फांसी पर गए झूल"	3. बलिदान देने वाले।

क) I - (1), II - (2), III - (3)

ख) I - (2), II - (3), III - (1)

ग) I - (1), II - (3), III - (2)

घ) I - (3), II - (1), III - (2)

iv. **'मन की मन में ही रही' का क्या अर्थ है? (1)**

v. **कविता के अनुसार, उन लोगों को क्यों प्रणाम किया गया है जिन्होंने उच्च शिखर की ओर बढ़ने के बावजूद हिम-समाधि ले ली या असफल रहे? (2)**

vi. **कविता में उन लोगों को क्यों प्रणाम किया गया है जिनके योगदान को दुनिया भूल गई? (2)**

खंड- ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर)

3. **दिए गए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर आधारित लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेखन लिखिए।** **[6]**

   i. **भारत की सांस्कृतिक विशेषताएँ** विषय पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

   ii. **बढ़ती जनसंख्या की समस्या** विषय पर निबंध लिखिए। **[6]**

   iii. **लोकतंत्र में चुनावों का महत्त्व** विषय पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

4. अकसर हम सड़क दुर्घटनाओं के विषय में सुनते हैं, जिनका कारण खराब सड़कें भी हैं। सड़कों की दुर्दशा का वर्णन करते हुए किसी हिन्दी समाचार-पत्र के संपादक को लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

सार्वजनिक स्थलों पर बढ़ते हुए धूम्रपान तथा उसके कारण संभावित रोगों की ओर संकेत करते हुए किसी दैनिक समाचार पत्र के संपादक को 80-100 शब्दों में पत्र लिखिए।

5. **अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[11]**

   i. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिये: (2 X 4 = 8)**

      i. रेडियो समाचार-लेखन की बुनियादी बातों पर प्रकाश डालिए। **[2]**

      ii. स्ववृत्त निर्माण की कला में निपुण होना क्यों आवश्यक है? **[2]**

      iii. शब्दकोश से शब्द के विषय में क्या-क्या जानकारी मिलती है? **[2]**

      iv. डीकोडिंग का अर्थ बताइए। **[2]**

      v. आप नगर निगम, भुवनेश्वर, श्री राधेश्याम की मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित होने वाली बैठक के लिए कार्यसूची तैयार कीजिए। **[2]**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ii. i. नाटक और फ़िल्म की पटकथा में क्या अंतर होता है? स्पष्ट कीजिए। **[3]**

अथवा

i. डायरी-लेखन क्या है? कुछ प्रसिद्ध डायरियों और डायरी लेखकों के नाम भी बताइए। **[3]**

खंड- ग (आरोह भाग - 1 एवं वितान भाग-1 पाठ्यपुस्तकों के आधार पर)

6. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

आज पानी गिर रहा है,
बहुत पानी गिर रहा है,
रात भर गिरता रहा है,
प्राण मन घिरता रहा है,
बहुल पानी गिर रहा है,
घर नज़र में तिर रहा है,
घर कि मुझसे दूर है जो,
घर खुशी का पूर है जो,

i. इस कविता का क्या नाम है?

क) सभी विकल्प सही हैं ख) प्रियसी की याद
ग) माँ की याद घ) घर की याद

ii. घनी बरसात के कारण कवि का हृदय किसमें खो गया है?

क) पुरानी यादों ख) पुरानी और नई यादों दोनों
ग) नई यादों घ) इनमें से कोई नहीं

iii. कवि को जेल में रहते हुए किसकी याद आई?

क) बहनों की ख) आँगन की
ग) चाचा की घ) चाची की

iv. प्राण का अर्थ है-

क) साँस ख) जान
ग) श्वास घ) सभी विकल्प सही हैं

v. नज़र का समानार्थी है:

क) इच्छा ख) काम
ग) दृष्टि घ) सम्मान

7. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (3 X 2 = 6 अंक)** **[6]**

i. ईश्वर के स्वरूप के विषय में कबीर क्या कहते हैं? **[3]**
ii. चंपा काले-काले अच्छर नहीं चीन्हती कविता में पूर्वी प्रदेशों की स्त्रियों की किस विडंबनात्मक स्थिति का वर्णन हुआ है? **[3]**
iii. शहरी प्रभाव के कारण प्राकृतिक वातावरण में क्या परिवर्तन हो रहे हैं? आओ, मिलकर बचाएँ कविता के आधार पर बताइए। **[3]**

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (2 X 2 = 4 अंक)** **[4]**

i. कवि अवतार सिंह पाश ने वे कौन-कौन सी स्थितियाँ बताई हैं जो सबसे खतरनाक हैं? **[2]**
ii. मीरा ने जीवन का सार किस उदाहरण से समझाया है? **[2]**
iii. हे मेरे जूही के फूल जैसे ईश्वर कविता में अपना घर से क्या तात्पर्य है? इसे भूलने की बात क्यों कही गई है? **[2]**

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

जाड़े के दिन थे और रात का समय। नमक के सिपाही, चौकीदार नशे में मस्त थे। मुंशी वंशीधर को यहाँ आए अभी छह महीनों से अधिक न हुए थे, लेकिन इस थोड़े समय में ही उन्होंने अपनी कार्यकुशलता और उत्तम आचार से अफ़सरों को मोहित कर लिया था। अफ़सर लोग उनपर बहुत विश्वास करने लगे। नमक के दफ़्तर से एक मील पूर्व की ओर जमुना बहती थी, उस पर नावों का एक पुल बना हुआ था। दारोगाजी किवाड़ बंद किए मीठी नींद में सो रहे थे। अचानक नींद खुली तो नदी के प्रवाह की जगह गाड़ियों की गड़गड़ाहट तथा मल्लाहों का कोलाहल सुनाई दिया।

i. मुंशी वंशीधर को दारोगा पद पर आसीन हुए कितना समय हुआ था?

क) छह महीने　　ख) एक महीना

ग) एक सप्ताह　　घ) साल भर

ii. मुंशी वंशीधर की किस विशेषता से उनके अफ़सर प्रभावित थे?

क) कार्य कुशलता　　ख) ईमानदारी

ग) उत्तम आचरण　　घ) कार्य कुशलता और उत्तम आचरण

iii. नमक विभाग ने पास कौन-सी नदी बहती थी?

क) गंगा　　ख) घाघरा

ग) जमुना　　घ) सरस्वती

iv. नदी पर कौन-सा पुल बना था?

क) नावों का　　ख) ईटों का

ग) पत्थरों का　　घ) बाँसों का

v. दारोगा जी की नींद कैसे खुली थी?

क) मल्लाहों के कोलाहल से　　ख) गाड़ियों की गड़गड़ाहट और मल्लाहों के कोलाहल से

ग) गाड़ियों की गड़गड़ाहट से　　घ) गोली की आवाज़ से

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (3 X 2 = 6 अंक)** **[6]**

i. **अपू के साथ ढाई साल** पाठ में **भूलो** की जगह दूसरा कुत्ता क्यों लाया गया? उसने फिल्म के किस दृश्य को पूरा किया? **[3]**

ii. **भारत माता** के प्रति नेहरू जी की क्या अवधारणा थी? **[3]**

iii. **रजनी** पाठ में अमित के अध्यापक ने उससे क्या कहा? क्यों? **[3]**

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (2 X 2 = 4 अंक)** **[4]**

i. मियाँ नसीरुद्दीन पाठ में मियाँ नसीरुद्दीन का शब्दचित्र लेखिका ने कैसे खींचा है? **[2]**

ii. **विदाई-संभाषण** तत्कालीन साहसिक लेखन का नमूना है। सिद्ध कीजिए। **[2]**

iii. गलता लोहा कहानी का उद्देश्य बताइए। **[2]**

12. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (5 X 2 = 10 अंक)** **[10]**

i. चित्रपट संगीत का दिनोंदिन विस्तार क्यों होता जा रहा है? भारतीय गायिकाओं में बेजोड़: **लता मंगेशकर** पाठ के आधार पर बताइए। **[5]**

ii. दिनोंदिन बढ़ती पानी की समस्या से निपटने में **राजस्थान की रजत बूँदें** पाठ आपकी कैसे मदद कर सकता है तथा देश के अन्य राज्यों में इसके लिए क्या उपाय हो रहे हैं? जाने और लिखें। **[5]**

iii. **आलो-आँधारि** पाठ में बेबी की जिंदगी में तातुश का परिवार न आया होता तो उसका जीवन कैसा होता? कल्पना करें और लिखें। **[5]**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Solution

खंड क (अपठित बोध)

1. (i) ख) पाचन शक्ति
   (ii) ग) आनंद
   (iii) क) केवल कथन (I) और (III) सही हैं।
   (iv) हँसी एक शक्तिशाली दवा है।
   (v) हँसी बैर और बदनामी की शत्रु है और भलाई की सखी है।
   (vi) मित्रों को हँसाने से वे अधिक प्रसन्न होते हैं, शत्रुओं को हँसाने से वे कम घृणा करते हैं, अनजान लोगों को हँसाने से वे भरोसा करते हैं, उदास व्यक्तियों को हँसाने से उनका दुख घटता है, और निराश व्यक्तियों को हँसाने से उनकी आशा बढ़ती है।
   (vii) भगवान ने हँसी को एक सुंदर आंतरिक वस्तु के रूप में दी है, जो कष्टों और चिंताओं में भी मन को प्रसन्न करती है और स्वभाव को अच्छा बनाती है।
2. i. ख) केवल I, II और IV सही हैं।
   ii. ग) वे जिन्होंने नायकत्व प्राप्त किया
   iii. क) I - (1), II - (2), III - (3)
   iv. 'मन की मन में ही रही' का अर्थ है कि उनकी इच्छाएँ और आकांक्षाएँ केवल उनके मन में ही रह गईं, वास्तविकता में परिणति नहीं पाई।
   v. उच्च शिखर की ओर बढ़ने के बावजूद हिम-समाधि लेने या असफल होने वाले लोगों को प्रणाम किया गया क्योंकि उन्होंने संघर्ष और प्रयास के साथ अपने प्रयास किए, भले ही वे सफल न हुए।
   vi. उन लोगों को प्रणाम किया गया जिनके योगदान को दुनिया भूल गई क्योंकि उनकी मेहनत और बलिदान के बावजूद, समय के साथ उनकी यादें धुंधली हो गईं।

खंड- ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर)

3. दिए गए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर आधारित लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेखन लिखिए।

(i) **भारत की सांस्कृतिक विशेषताएँ**

भारत की संस्कृति विश्व की प्राचीनतम और समृद्धतम संस्कृतियों में से एक है। यह विविधता, सहिष्णुता और समन्वय का अद्वितीय उदाहरण है। धार्मिक विविधता भारत की प्रमुख सांस्कृतिक विशेषता है। यहाँ हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन और पारसी धर्मों के अनुयायी मिल-जुलकर रहते हैं। हर धर्म के अपने त्योहार, रीति-रिवाज और परंपराएँ हैं, जो भारतीय समाज को रंगीन और जीवंत बनाते हैं।

भाषाई विविधता भी भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण पहलू है। भारत में 22 आधिकारिक भाषाएँ और सैकड़ों बोलियाँ बोली जाती हैं। हर राज्य की अपनी भाषा, साहित्य और लोककथाएँ हैं, जो उसकी सांस्कृतिक धरोहर को समृद्ध बनाती हैं।

कला और शिल्प के क्षेत्र में भी भारत का योगदान उल्लेखनीय है। भारतीय संगीत, नृत्य, चित्रकला, मूर्तिकला और हस्तशिल्प की परंपराएँ सदियों पुरानी हैं। भरतनाट्यम, कथक, कुचिपुड़ी, और ओडिसी जैसे शास्त्रीय नृत्य रूपों ने विश्वभर में अपनी पहचान बनाई है।

खान-पान की विविधता भी भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हर राज्य का अपना विशिष्ट भोजन है, जो वहाँ की जलवायु, कृषि और परंपराओं से प्रभावित होता है। मसालों का उपयोग भारतीय भोजन को विशेष स्वाद और सुगंध प्रदान करता है।

पारिवारिक और सामाजिक संरचना में भी भारतीय संस्कृति की विशेषताएँ झलकती हैं। संयुक्त परिवार प्रणाली, बड़ों का सम्मान, और सामाजिक मेलजोल भारतीय समाज की पहचान हैं। विवाह, जन्म, और अन्य सामाजिक समारोहों में पूरे समुदाय की भागीदारी होती है।

त्योहारों की बात करें तो भारत में हर महीने कोई न कोई त्योहार मनाया जाता है। दिवाली, होली, ईद, क्रिसमस, बैसाखी, पोंगल, और दुर्गा पूजा जैसे त्योहार भारतीय संस्कृति की विविधता और एकता को दर्शाते हैं।

भारत की सांस्कृतिक विशेषताएँ उसकी विविधता, सहिष्णुता और समन्वय में निहित हैं। यह संस्कृति न केवल भारतीय समाज को एकजुट करती है, बल्कि विश्वभर में भारत की पहचान को भी मजबूत बनाती है।

(ii) **बढ़ती जनसंख्या की समस्या**

परिचय: भारत में बढ़ती जनसंख्या एक गंभीर समस्या बन चुकी है। यह समस्या देश के विकास और संसाधनों पर भारी दबाव डाल रही है। इस निबंध में हम बढ़ती जनसंख्या के कारण, प्रभाव और समाधान पर चर्चा करेंगे।

बढ़ती जनसंख्या के कारण:

अशिक्षा: शिक्षा की कमी के कारण लोग परिवार नियोजन के महत्व को नहीं समझ पाते।

गरीबी: गरीब परिवारों में अधिक बच्चे होने की प्रवृत्ति होती है, क्योंकि उन्हें लगता है कि अधिक बच्चे होने से उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

स्वास्थ्य सेवाओं की कमी: स्वास्थ्य सेवाओं की कमी के कारण नवजात शिशुओं की मृत्यु दर अधिक होती है, जिससे लोग अधिक बच्चे पैदा करने की कोशिश करते हैं।

सामाजिक और धार्मिक मान्यताएँ: कुछ सामाजिक और धार्मिक मान्यताएँ भी अधिक बच्चों को जन्म देने को प्रोत्साहित करती हैं|

बढ़ती जनसंख्या के प्रभाव:

संसाधनों पर दबाव: बढ़ती जनसंख्या के कारण जल, भोजन, और ऊर्जा जैसे प्राकृतिक संसाधनों पर भारी दबाव पड़ता है।

बेरोजगारी: जनसंख्या वृद्धि के साथ रोजगार के अवसरों की कमी होती है, जिससे बेरोजगारी बढ़ती है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

गरीबी: अधिक जनसंख्या के कारण गरीबी की समस्या और भी गंभीर हो जाती है।
शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी: बढ़ती जनसंख्या के कारण शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में गिरावट आती है।
बढ़ती जनसंख्या के समाधान:
शिक्षा का प्रसार: शिक्षा के माध्यम से लोगों को परिवार नियोजन के महत्व के बारे में जागरूक किया जा सकता है।
स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार: स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करके नवजात शिशुओं की मृत्यु दर को कम किया जा सकता है।
परिवार नियोजन कार्यक्रम: सरकार को परिवार नियोजन कार्यक्रमों को बढ़ावा देना चाहिए और लोगों को इसके लाभों के बारे में जागरूक करना चाहिए।

(iii) लोकतंत्र में चुनावों का महत्त्व अत्यधिक महत्वपूर्ण है। चुनाव एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके माध्यम से जनता अपने प्रतिनिधियों का चयन करती है और सरकार को जवाबदेह बनाती है। यह प्रक्रिया न केवल राजनीतिक स्थिरता को सुनिश्चित करती है, बल्कि नागरिकों को अपनी आवाज उठाने का अवसर भी प्रदान करती है।
चुनावों के माध्यम से जनता अपने नेताओं का चयन करती है, जो उनके हितों का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह प्रक्रिया लोकतंत्र की नींव है, क्योंकि यह सुनिश्चित करती है कि सरकार जनता की इच्छाओं और आवश्यकताओं के अनुरूप काम करे। चुनावों के /बिना, लोकतंत्र का अस्तित्व संभव नहीं है, क्योंकि यह प्रक्रिया ही जनता को सत्ता में भागीदारी का अधिकार देती है।
इसके अलावा, चुनाव सरकार को जवाबदेह बनाते हैं। जब नेता जानते हैं कि उन्हें जनता के सामने जवाब देना है, तो वे अधिक जिम्मेदारी से काम करते हैं। चुनावों के माध्यम से जनता अपने नेताओं के कार्यों का मूल्यांकन करती है और उन्हें पुनः चुनने या बदलने का निर्णय लेती है।
चुनावों का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि वे समाज में समानता और न्याय को बढ़ावा देते हैं। चुनावों के माध्यम से हर नागरिक को अपनी राय व्यक्त करने का समान अधिकार मिलता है, चाहे वह किसी भी जाति, धर्म या वर्ग का हो। यह प्रक्रिया समाज में एकता और समरसता को बढ़ावा देती है।
अंत में, चुनाव लोकतंत्र को मजबूत बनाते हैं और जनता को अपने भविष्य का निर्धारण करने का अधिकार देते हैं। यह प्रक्रिया न केवल राजनीतिक स्थिरता को सुनिश्चित करती है, बल्कि समाज में समानता, न्याय और एकता को भी बढ़ावा देती है। इसलिए, लोकतंत्र में चुनावों का महत्त्व अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसे बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।

4. 23, अजमेरी गेट
जोधपुर
दिनांकः 2/XX/20XX
सेवा में,
संपादक महोदय,
नवभारत टाइम्स,
जोधपुर
विषय : सड़कों की दुर्दशा पर पत्र।
महोदय,
निवेदन है कि इस पत्र के माध्यम से मैं सड़कों की दुर्दशा की ओंर नगर निगम का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ। हमने नगर निगम अधिकारी को अनेक पत्र लिखे पर इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया। अब मैं इस आशा से यह पत्र लिख रहा हूँ कि शायद नगर निगम के अधिकारी हमारे क्षेत्र के लोगों का ध्यान रखते हुए उचित कार्यवाही करेंगे। यहाँ की सड़के इतनी संकरी है कि किसी वाहन के गुजरने पर पैदल चलने वाले लोगों के लिए जगह ही नहीं बचती। स्थान-स्थान पर यहाँ गड्ढे हो रहे हैं और बरसात के दिनों में उनमें पानी भर जाता है और वे दुर्घटना को आमंत्रण देते हैं। सड़क की लाइट अधिकांश टूटी-फूटी हैं जिससे सड़क पर अँधेरा रहता है। आशा है कि आप मेरे इस पत्र को अपने समाचार पत्र में स्थान देंगे।
भवदीय
क.ख.ग.

अथवा

सेवा में,
संपादक महोदय,
दैनिक जागरण
नई दिल्ली,
विषय : धूम्रपान छोड़ें, जीवन नहीं। धूम्रपान की समस्या पर चिंता व्यक्त करने हेतु पत्र।
महोदय,
हर कोई जानता है कि तंबाकू के सेवन से हमारे स्वास्थ्य पर विनाशकारी परिणाम हो सकता है। फिर भी, कई लोग जोखिम को नजरअंदाज करने और धूम्रपान करने का निर्णय लेते हैं। सिगरेट के धुएं में 4,000 से अधिक रासायनिक पदार्थ मौजूद हैं, जिनमें कम से कम 50 शामिल हैं जो कैंसर का कारण बन सकते हैं। इन पदार्थों में आर्सेनिक, टार और कार्बन मोनोऑक्साइड शामिल हैं। इन जहरीले उत्पादों के अलावा, सिगरेट में निकोटीन भी होता है, जो तंबाकू के लिए शारीरिक और मनोवैज्ञानिक लत का कारण बनता है।
धूम्रपान से आपके फेफड़े बहुत बुरी तरह प्रभावित हो सकते हैं। खाँसी, जुकाम, घरघराहट और दमा बस शुरुआत है। धूम्रपान से निमोनिया, वातस्फीति और फेफड़ों के कैंसर जैसे घातक रोग हो सकते हैं। धूम्रपान से फेफड़े के कैंसर से 80% लोगों की मृत्यु और 81% मौतों में क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (COPD)से मृत्यु होती है। जिस कारण यह समस्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। आपसे अनुरोध है कि इस समस्या की तरफ़ ध्यान देकर सरकार को आगाह करने का प्रयास करें।
धन्यवाद

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

भवदीय
गोविन्द सिंह राणा

5. अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

(i) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिये: (2 X 4 = 8)

i. रेडियो श्रव्य माध्यम है। यह ध्वनि, स्वर और शब्दों का खेल है। अख़बार की तरह रेडियो समाचार बुलेटिन को कभी भी और कहीं भी नहीं सुना जा सकता। रेडियो बुलेटिन में कुछ भी भ्रामक नहीं होना चाहिए अन्यथा श्रोता रेडियो को बंद कर देगा।

रेडियो समाचार-लेखन के लिए कुछ बुनियादी बातें

- समाचार वाचक/वाचिका के पास साफ-सुथरी और टाइप्ड कॉपी होनी चाहिए। समाचार कॉपी को कंप्यूटर पर ट्रिपल स्पेस में टाइप किया जाना चाहिए। दोनों ओर पर्याप्त हाशिया छोड़ना चाहिए। एक लाइन में 12-13 शब्द होने चाहिए। पंक्ति के आखिर में कोई शब्द विभाजित नहीं होना चाहिए। पृष्ठ के आखिर में कोई लाइन अधूरी नहीं होनी चाहिए।
- डेड लाइन, संदर्भ और संक्षिप्ताक्षर का प्रयोग करना चाहिए। रेडियो समाचार चौबीसों घंटे चलते रहते हैं, पर श्रोता के लिए समय का फ्रेम हमेशा आज होता है। संक्षिप्ताक्षरों में उनकी लोकप्रियता का ध्यान रखना चाहिए, जैसे- सार्क, डब्ल्यू. टी. ओ.।
- अंकों के मामले में खास सावधानी रखनी चाहिए, जैसे एक से दस तक के अंकों को शब्दों में और 11 से 999.
- संक्षिप्ताक्षर के प्रयोग में बहुत सावधानी बरतनी चाहिए।
- रेडियो समाचार में अत्यधिक आँकड़ों और संख्याओं का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए क्योंकि श्रोताओं के लिए उन्हें समझ पाना काफी कठिन होता है। आँकड़े तुलनात्मक हों तो बेहतर होता है।

ii. क्योंकि इससे व्यक्ति का मूल्यांकन होता है। जो व्यक्ति अपना मूल्यांकन ठीक प्रकार से करवाना चाहता है, अपनी अहमियत को प्रकट करना चाहता है उसको स्ववृत्त निर्माण में कुशल होना अति आवश्यक है।

iii. वर्तमान युग ने कोशविद्या को अत्यंत व्यापक परिवेश में विकसित किया। सामान्य रूप से उसकी दो मोटी-मोटी विधाएँ कही जा सकती हैं - (1) शब्दकोश और (2) ज्ञानकोश।
अधिकतर शब्दकोशों में शब्दों के उच्चारण के लिये भी व्यवस्था होती है, जैसे - अन्तर्राष्ट्रीय ध्वन्यात्मक लिपि में, देवनागरी में या आडियो संचिका के रूप में। शब्दकोश के स्वरूप का बहुमुखी प्रवाह निरंतर प्रौढ़ता की ओर बढ़ता लक्षित होता रहा है। आज की कोशविद्या का विकसित स्वरूप भाषा विज्ञान, व्याकरणशास्त्र, साहित्य, अर्थविज्ञान, शब्दप्रयोगीय, ऐतिहासिक विकास, संदर्भसापेक्ष अर्थविकास और नाना शास्त्रों तथा विज्ञानों में प्रयुक्त विशिष्ट अर्थों के बौद्धिक और जागरूक शब्दार्थ संकलन का पुंजीकृत परिणाम है।

iv. इसका अर्थ है-प्राप्त संदेश में निहित अर्थ को समझने की कोशिश। यह एनकोडिंग से उल्टी प्रकिया है। इसमें संदेश प्राप्तकर्ता प्राप्त चिह्नों व संकेतों के अर्थ निकालता है।

v.

कार्यसूची

दिनांक. 08/09/20 को दोपहर 12:30 बजे, आयुक्त, नगर निगम, भुवनेश्वर, श्री राधेश्याम मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित होने वाली बैठक की कार्यसूची-

1. पिछली बैठक के कार्यवृत्त (Minutes) की पुष्टि।
2. पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों पर की गई कार्रवाई (Action) की समीक्षा।
3. रसुलगढ़, भुवनेश्वर में बढ़ रही गंदगी पर विचार।
4. बरमुडा बस अड्डे पर लगाए गए डस्टबिन के सफ़ाई पर विचार।
5. डेंगू के प्रकोप को रोकने हेतु कीटनाशक के छिड़काव पर जायजा।
6. अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषयों पर चर्चा।

श्री राधेश्याम मिश्र (श्री राधेश्याम मिश्र)
आयुक्त

निम्नलिखित सदस्य कार्यसूची के अवलोकन उपरांत हस्ताक्षर करें-

क्र. सं.	सदस्य का नाम	पदनाम	हस्ताक्षर
1.	श्री त्रिभुवन वर्मा	अधिकारी, सफाई विभाग	
2.	श्रीमती तपस्या पटनायक	खजांची	
3.	श्री रामविलास साहू	अधिकारी, आपूर्ति विभाग	
4.	श्री रजनीश सत्यवादी	संयुक्त सचिव	

(ii) i. नाटक और फ़िल्म की पटकथा में कुछ मूलभूत अंतर होते हैं। ये अंतर निम्नलिखित हैं:

i. नाटक के दृश्य बहुत लंबे-लंबे होते हैं जबकि फ़िल्म के दृश्य छोटे होते हैं।
ii. नाटक में घटनास्थल प्रायः सीमित होता है जबकि फ़िल्म में इसकी कोई सीमा नहीं होती।
iii. नाटक एक सजीव कला माध्यम है जिसमें अभिनेता अपने ही जैसे जीवंत दर्शकों के सामने अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं जबकि सिनेमा में यह पूर्व रिकॉर्डिंग छवियां एवं दृश्य होते हैं।
iv. नाटक में कार्य-व्यापार, दृश्यों की संरचना और चरित्रों की संख्या सीमित रखनी होती है जबकि सिनेमा में ऐसाकोई बंधन नहीं होता।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

v. नाटक की कथा का विकास एक-रेखीय होता है, जो एक ही दिशा में आगे बढ़ता है जबकि सिनेमा में कथा का विकास कई प्रकार से होता है।

अथवा

i. अत्यंत निजी स्तर पर घटित घटनाओं और उससे संबंधित बौद्धिक तथा भावनात्मक प्रतिक्रियाओं का लेखा-जोखा डायरी कहलाता है। हमारे जीवन में प्रतिदिन अनेक घटनाएँ घटती हैं। हम अनेक गतिविधियों और विचारों से भी गुज़रते हैं। दैनिक जीवन में हम जिन घटनाओं, विचारों और गतिविधियों से निरंतर गुज़रते हैं, उन्हें डायरी के पृष्ठों पर शब्दबद्ध कर लेना ही डायरी-लेखन है। प्रसिद्ध डायरियों और उनके लेखकों के नाम निम्नलिखित हैं:

i. एक साहित्यिक की डायरी-गजानन माधव मुक्तिबोध।
ii. पैरों में पंख बाँध कर-**रामवृक्ष बेनीपुरी**।
iii. रूस में पच्चीस मास-राहुल सांकृत्यायन।
iv. सुदूर दक्षिणपूर्व-सेठ गोविंददास।
v. **द डायरी ऑफ अ यंग गर्ल**-ऐनी फ्रैंक।
vi. हरी घाटी-डॉ० रघुवंश।

खंड- ग (आरोह भाग - 1 एवं वितान भाग-1 पाठ्यपुस्तकों के आधार पर)

6. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

आज पानी गिर रहा है,
बहुत पानी गिर रहा है,
रात भर गिरता रहा है,
प्राण मन घिरता रहा है,
बहुल पानी गिर रहा है,
घर नज़र में तिर रहा है,
घर कि मुझसे दूर है जो,
घर खुशी का पूर है जो,

(i) **(घ)** घर की याद
व्याख्या:
घर की याद

(ii) **(क)** पुरानी यादों
व्याख्या:
लगातार और घनी बरसात के कारण कवि का हदय पुरानी यादों में खो गया है।

(iii) **(ख)** आँगन की
व्याख्या:
आँगन की

(iv) **(घ)** सभी विकल्प सही हैं
व्याख्या:
सभी विकल्प सही हैं

(v) **(ग)** दृष्टि
व्याख्या:
दृष्टि

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (3 X 2 = 6 अंक)

(i) कबीरदास कहते हैं कि ईश्वर एक है और उसका कोई निश्चित रूप या आकार नहीं है। वह सर्वव्यापी है। अपनी बात को प्रमाणित करने के लिए उन्होंने कई तर्क दिए हैं; जैसे-संसार में एक जैसी हवा बहती है, एक जैसा पानी है तथा एक ही प्रकार का प्रकाश सबके अंदर समाया हुआ है। यहाँ तक कि एक ही प्रकार की मिट्टी से कुम्हार अलग-अलग प्रकार के बर्तन बनाता है। कबीरदास आगे कहते हैं कि बढ़ई लकड़ी को काटकर अलग कर सकता है परंतु आग को नहीं। यानी मूलभूत तत्वों (धरती, आसमान, जल, आग, और हवा) को छोड़कर शेष सबको काट कर आप अलग कर सकते हो। इसी तरह से शरीर नष्ट हो जाता है किंतु आत्मा सदैव बनी रहती। आत्मा परमात्मा का ही अंश है जो अलग-अलग रूपों में सबमें समाया हुआ है। अतः ईश्वर एक है उसके रूप अनेक हो सकते हैं।

(ii) पूर्वी प्रदेश में स्त्रियों को ऐसा वातावरण ही नहीं मिलता कि वे पढ़-लिख कर शिक्षा के सही महत्त्व को समझ सकें। वे कूप मंडूक की भाँति अपने कामों में ही लगी रहती हैं। वे बाहर की दुनिया से बेखबर होती हैं। उनकी समझ और सोच का विकास नहीं हो पाता। कई बार अपनी इस कमजोरी के कारण उन्हें समाज और परिवार में वह मान-सम्मान नहीं मिल पाता जो मिलना चाहिए।

(iii) शहरी प्रभाव के कारण संथाल बस्तियों में विस्थापन की समस्या आ रही है। जंगल की ताज़ी हवा, नदियों का निर्मल जल, पहाड़ों की मौन शांति, मिट्टी की स्वाभाविक सुगंध, फ़सलों की हरियाली और लहलहाहट, खुले आँगन, मैदान और चरागाह समाप्त होते जा रहे हैं। इससे बच्चे, बूढ़े और पशु सभी के लिए अभावग्रस्त स्थिति पैदा हो गई है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (2 X 2 = 4 अंक)

(i) कवि ने निम्नलिखित स्थितियों को सबसे खतरनाक बताया है

i. मुर्दे जैसी शांति का भर जाना।
ii. सपनों का मर जाना।
iii. तड़पकर अन्याय को सहन करना।
iv. घड़ी का एक बिंदु पर ठहरना।
v. अन्याय देखकर संवेदनहीन होना।
vi. ढर्रे पर जिंदगी चलना।
vii. अत्याचार का आँखों में न गड़ना।
viii. आत्मा की आवाज को अनसुना करना।

(ii) मीरा कहती हैं कि उसने दही को मथकर घी निकाल लिया तथा छाछ छोड़ दिया। उसने जीवन का मंथन करके कृष्ण-भक्ति को सार के रूप में प्राप्त कर लिया तथा शेष संसार को छाछ की तरह छोड़ दिया।

(iii) अपना घर से तात्पर्य सांसारिक मोह-माया से है। संसार की वह चीजें जो हमें अपने-आप में उलझा लेती हैं, जिनसे हम प्रेम करते हैं वे हमारे ईश्वर प्राप्ति के मार्ग में बाधक होती हैं। यदि हम उन्हें भूल जाएँ तो ईश्वर की ओर हमारा मन पूरी एकाग्रता के साथ लगता है। इसीलिए उन्हें भूल जाने की बात कही गई है।

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

जाड़े के दिन थे और रात का समय। नमक के सिपाही, चौकीदार नशे में मस्त थे। मुंशी वंशीधर को यहाँ आए अभी छह महीनों से अधिक न हुए थे, लेकिन इस थोड़े समय में ही उन्होंने अपनी कार्यकुशलता और उत्तम आचार से अफ़सरों को मोहित कर लिया था। अफ़सर लोग उनपर बहुत विश्वास करने लगे। नमक के दफ़्तर से एक मील पूर्व की ओर जमुना बहती थी, उस पर नावों का एक पुल बना हुआ था। दारोगाजी किवाड़ बंद किए मीठी नींद में सो रहे थे। अचानक नींद खुली तो नदी के प्रवाह की जगह गाड़ियों की गड़गड़ाहट तथा मल्लाहों का कोलाहल सुनाई दिया।

(i) **(क)** छह महीने
व्याख्या: छह महीने

(ii) **(घ)** कार्य कुशलता और उत्तम आचरण
व्याख्या: कार्य कुशलता और उत्तम आचरण

(iii) **(ग)** जमुना
व्याख्या: जमुना

(iv) **(क)** नावों का
व्याख्या:
नावों का

(v) **(ख)** गाड़ियों की गड़गड़ाहट और मल्लाहों के कोलाहल से
व्याख्या:
गाड़ियों की गड़गड़ाहट और मल्लाहों के कोलाहल से

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (3 X 2 = 6 अंक)

(i) पैसों के अभाव में शूटिंग छः महीने बाद की गयी। जब तक 'भूलो' कुत्ते की मृत्यु हो गई थी। अतः उसके स्थान पर उसके जैसे दिखने वाले कुत्ते को लाया गया। उसके द्वारा शूटिंग पूरी हुई। इस कुत्ते द्वारा गमले में फैंका गया भात खाने का दृश्य था। यह दृश्य दूसरे कुत्ते से करवाया गया था।

(ii) नेहरू जी की अवधारणा थी कि हिंदुस्तान वह सब कुछ है जिसे उन्होंने समझ रखा है, लेकिन वह इससे भी बहुत ज्यादा है। देश का हर हिस्सा- नदी, पहाड़, खेत आदि सभी इसमें शामिल हैं। दरअसल भारत में रहने वाले करोड़ों लोग हैं, 'भारत माता की जय' का अर्थ है- करोड़ों भारतवासियों की जय। इस धारणा का अर्थ है- देशवासियों से ही देश बनता है।

(iii) अमित के अध्यापक ने उसे कहा कि हाफ़-ईयरली परीक्षा में तुमने बहुत अच्छे अंक प्राप्त किए है, परंतु अगर ईयरली में तुम्हें पूरे नंबर लेने हैं तो तुरंत ट्यूशन लगवा लो। उसने ट्यूशन न लेने पर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी। वह ऐसा इसलिए कह रहे थे ताकि अमित भी उनके पास ट्यूशन पढ़ने आ जाए।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (2 X 2 = 4 अंक)

(i) लेखिका ने खानदानी नानबाई नसीरुद्दीन के व्यक्तित्व, रुचियों और स्वभाव का शब्द-चित्र इसप्रकार खींचा है-

- **व्यक्तित्व**- वे बड़े ही बातूनी और अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बननेवाले बुजुर्ग थे। उनका व्यक्तित्व बड़ा ही साधारण-सा था, पर वे बड़े मसीहाई अंदाज़ में रोटी पकाते थे।
- **स्वभाव**- उनके स्वभाव में रुखाई अधिक और स्नेह कम था। वे सीख और तालीम के विषय में बड़े स्पष्ट थे। उनका मानना था कि काम तो करने से ही आता है। वे काम को अधिक महत्व देते थे। बातचीत के दौरान भी उनका ध्यान सदा काम में होता था।
- **रुचियाँ**- वे स्वयं को किसी पंचहजारी से कम नहीं समझते थे। बादशाह सलामत की बातें तो ऐसे बताते थे मानो अभी बादशाह के महल से ही आ रहे हों। उनकी रुचि उच्च पद, मान और ख्याति की ही थी। वे अपने हुनर में माहिर थे और अपने पेशे के प्रति समर्पित थे।
- **उदाहरण**- (मियाँ चारपाई पर बैठे बीड़ी का मज़ा ले रहे हैं। मौसमों की मार से पका चेहरा, आँखों में काइयाँ भोलापन और पेशानी पर मँजे हुए कारीगर के तेवर), इस प्रकार का शब्द चित्र पाठक के समक्ष नायक को साकार वर्णन करता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ii) **विदाई-संभाषण** व्यंग्यात्मक, विनोदपूर्ण, चुलबुला, ताजगी वाला गद्य है। यह गद्य आततायी को पीड़ा की चुभन का अहसास कराता है। इससे यह नहीं लगता कि कर्ज़न ने प्रेस पर पाबंदी लगाई थी। इसमें इतने अधिक व्यंग्यों के प्रहार हैं कि कठोर-से-कठोर शासक भी घायल हुए बिना नहीं रह सकता। विदाई-संभाषण को साहसिक लेखन के साथ-साथ आदर्श लेखन भी कहा जा सकता है।

(iii) **गलता लोहा** शेखर जोशी की कहानी-कला को एक प्रतिनिधि नमूना है। समाज के जातिगत विभाजन पर कई कोणों से टिप्पणी करने वाली यह कहानी इस बात का उदाहरण है कि शेखर जोशी के लेखन में अर्थ की गहराई का दिखावा और बड़बोलापन जितना ही कम है, वास्तविक अर्थ-गांभीर्य उतना ही अधिक। ब्राहमण टोले के लोग स्वयं को श्रेष्ठ समझते थे तथा वे शिल्पकार के टोले में उठते-बैठते नहीं थे। कामकाज के कारण शिल्पकारों के पास जाते थे, परंतु वहाँ बैठते नहीं थे। उनसे बैठने के लिए कहना भी उनकी मर्यादा के विरुद्ध समझा जाता था। मोहन कुछ वर्ष शहर में रहा तथा बेरोजगारी की चोट सही। गाँव में आकर वह इस व्यवस्था को चुनौती देता है। सामाजिक विधि-निषेधों को ताक पर रखकर वह धनराम लोहार के आफर पर बैठता ही नहीं, उसके काम में भी अपनी कुशलता दिखाता है। मोहन का व्यक्तित्व जातिगत आधार पर निर्मित झूठे भाईचारे की जगह मेहनतकशों के सच्चे भाईचारे की प्रस्तावना करता प्रतीत होता है, मानो लोहा गलकर एक नया आकार ले रहा हो।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (5 X 2 = 10 अंक)

(i) लेखक ने बताया है कि शास्त्रीय संगीत शुद्धता पर अधिक ज़ोर देता है। उसमें ताल का परिष्कृत रूप पाया जाता है। इस कारण यह सीमित हो रहा है। चित्रपट संगीत में नित नए प्रयोग किए जा रहे हैं। उसमे आधे तालों का प्रयोग किया जाता है। उनमें शास्त्रीय संगीत के साथ-साथ लोकगीतों, भक्ति गीतों, कृषकगीतों आदि का समावेश किया जा रहा है। श्रोता को नए पन की दरकार रहती है। श्रोता को गायन में सुरीलापन व भावुकता अधिक पसंद है।चित्रपट संगीत श्रोताओं की पसंद व परिस्थिति के अनुरूप स्वयं को ढाल लेता है।
चित्रपट संगीत का क्षेत्र व्यापक है। इसमें रेगिस्तान का रंग भी है तो समुद्र की लहरें भी गरजती हैं। कहीं वर्षा है तो पर्वतीय गुफाओं के पहाड़ी गीत भी होते हैं। अनेक राज्यों के संगीत को मिलाकर नए गाने बनाए जा रहे हैं। हम कह सकते हैं कि चित्रपट संगीत ने अपने द्वार खोल रखे हैं। वह विश्व के हर रूप को अपने अंदर समाहित कर रहा है। उसका एकमात्र लक्ष्य श्रोताओं को आनन्द प्रदान करना है। इसके लिए वह हर नियम को तोड़ने के लिए तैयार है। यही कारण है कि चित्रपट संगीत का विस्तार दिनोंदिन होता जा रहा है।

(ii) हमारे देश में दिनोंदिन पानी की समस्या बढ़ती जा रही है। देश के कई ऐसे राज्य हैं जहाँ इस समस्या से निपटने के लिए अनेक उपाय किए जा रहे हैं। प्रस्तुत पाठ में जल संरक्षण के उपाय के बारे में बताया गया है। भारत के ऐसे बहुत क्षेत्र हैं जहाँ लोगों को पानी लाने के लिए दस किलोमीटर से भी अधिक दूरी तय करके जाना पड़ता है। इन क्षेत्रों में कुओं का निर्माण करके इस समस्या से निजात पाया जा सकता है। जहाँ कुओं का निर्माण न किया जा सके, वहाँ घर की छतों और आँगन में वर्षा जल को संग्रहित किया जा सकता है। राजस्थान के अतिरिक्त दक्षिण भारत के कई राज्यों में भी जल संरक्षण के उपाय किए जा रहे हैं। जल संरक्षण के लिए दक्षिण भारत के राज्य जैसे- तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में विशाल पथरीले जलाशयों में पानी एकत्रित किया जाता है। इस प्रकार वहाँ की सरकारों द्वारा भी जल संरक्षण के लिए किए जाने वाले प्रयासों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

(iii) बेबी के जीवन में तातुश का आना एक सौभाग्य की बात हैं। तातुश जैसे लोग सबको नहीं मिलते। यदि वे बेबी के जीवन में न आते तो बेबी को सही दिशा निर्देश नहीं मिलता और वह स्वयं कभी अपनी क्षमता को पहचान न पाती। उसी गलीच माहौल में बेबी नरक भोगती रहती, घर-घर झाड़-बरतन करती घूमती रहती। जो लोग उसे बुरी नजर से देखते थे उनका शिकार हो जाती। उसके बच्चे कभी स्कूल का मुँह न देख पाते और शायद उससे सदा के लिए बिछुड़ जाते। उसका बड़ा बेटा कहाँ काम कर रहा है, यह तातुश ही तो खोज लाए थे। वह भी घृणास्पद अज्ञात कुचक्र के-से जीवन में कहीं खोकर रह जाती। हमें आत्मकथा पढ़ने का अवसर न मिल पाता।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in